NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2024

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours | 80 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2024

प्रश्न एक

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

श्रवण कुमार की कहानी

प्राचीन भारतीय महाकाव्य, रामायण में, श्रवण कुमार नामक एक समर्पित पुत्र के बारे में एक मार्मिक कहानी है। श्रवण का जन्म बुजुर्ग माता-पिता से हुआ जो अंधे थे। अपनी विकलांगता के बावजूद, श्रवण उनकी आँखें और उनका सांत्वना था।

श्रवण कुमार अपने माता-पिता के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण के लिए जाने जाते थे। वह उन्हें अपने कंधों पर विभिन्न पवित्र स्थलों पर ले जाता था और आसपास के परिवेश का विस्तृत वर्णन करता था ताकि वे उसकी आंखों के माध्यम से दुनिया की सुंदरता का अनुभव कर सकें।

एक दिन, अयोध्या के राजा दशरथ, जो शिकार पर निकले थे, ने पास की नदी से पानी निकाले जाने की आवाज़ सुनी। उसने हिरण समझकर अपना धनुष-बाण उसी दिशा में तान दिया। हालाँकि, उसका तीर हिरण को लगने के बजाय श्रवण कुमार को लगा जो अपने माता-पिता के लिए पानी भर रहा था।

अपनी गलती का एहसास होने पर, राजा दशरथ घटनास्थल पर पहुंचे और श्रवण को मरते हुए पाया। श्रवण ने अपनी मरणासन्न सांस में अपनी एकमात्र इच्छा व्यक्त की - अपने माता-पिता को बताना कि उसके साथ क्या हुआ था। उनकी भक्ति से प्रभावित होकर, दशरथ ने उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने का वादा किया।

इसके बाद दशरथ श्रवण के माता-पिता के पास गए और दुखद दुर्घटना का खुलासा किया। इस खबर से दुखी बुजुर्ग दंपत्ति ने दशरथ को अपने प्यारे बेटे से अलग होने का वही दर्द सहने का श्राप दिया।

इस घटना ने दशरथ और उनके परिवार के भाग्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अंततः रामायण की घटनाओं की ओर ले गई। इस कहानी से यह सीख मिलती है कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है ।

१.१ कहानी का नायक कौन है?

१.२ श्रवण कुमार के अपने माता-पिता के साथ रिश्ते में क्या खास है?

१.३ कौन सी दुखद घटना के कारण राजा दशरथ को श्राप मिला?

१.४ राजा दशरथ ने श्रवण कुमार की अंतिम इच्छा को कैसे पूरा करने का प्रयास किया?

१.५ इस घटना ने रामायण में क्या भूमिका निभाई?

१.६ श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन कीजिये ।

१.७ राजा दशरथ को क्या श्राप मिला और इससे उनका जीवन कैसे बदल गया?

१.८ इस पंक्ति को अपने शब्दों में स्पष्ट करें:

"मानव जाति की सेवा ही ईश्वर की सेवा है"

१.९ गद्यांश से समनार्थी शब्द लिखिए:

१.९.१ मानव

१.९.२ बुजुर्ग

उत्तर

१.२ कहानी का नायक श्रवण कुमार है।।

१.२ श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता के प्रति अपनी अटूट भक्ति और समर्पण के लिए जाने जाते हैं, जिनकी वे आँखों और सहारे के रूप में सेवा करते हैं।।

१.३ राजा दशरथ शिकार करते समय गलती से श्रवण कुमार को हिरण समझ कर मार देते हैं।।

१.४ राजा दशरथ ने श्रवण कुमार के माता-पिता को दुखद दुर्घटना के बारे में सूचित करके उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने का वादा किया।।

१.५ इस घटना के कारण राजा दशरथ को श्राप मिला, जिसने रामायण की घटनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।।

१.६ श्रवण कुमार रामायण का एक पात्र है जो अपने माता-पिता के प्रति समर्पण के लिए जाना जाता है। उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ पुत्र के रूप में दर्शाया गया है जो अपने अंधे और बूढ़े माता-पिता को तीर्थयात्रा पर ले जाता है। श्रवण कुमार की कहानी हिंदू संस्कृति में पितृभक्ति और निस्वार्थ भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालती है। उनकी दुखद मृत्यु, एक गलतफहमी के कारण हुई जिसके कारण राजा दशरथ को तीर लग गया, जो जल्दबाजी में किए गए कार्यों के परिणामों और स्पष्ट संचार के महत्व के बारे में एक नैतिक सबक के रूप में कार्य करता है। कुल मिलाकर, श्रवण कुमार अपने माता-पिता के प्रति सम्मान, देखभाल और त्याग के गुणों का उदाहरण देते हैं।।

१.७ राजा दशरथ को श्रवण कुमार के पिता से श्राप मिला था, जिन्होंने शिकार करते समय श्रवण कुमार को हिरण समझ लिया था। श्राप यह था कि जिस प्रकार श्रवण कुमार के पिता अपने पुत्र के वियोग में दुःखी होकर मरेंगे, उसी प्रकार दशरथ भी अपने पुत्र के वियोग में दुःखी होकर मरेंगे। इस श्राप ने दशरथ के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला क्योंकि इसके कारण अंततः रामायण की घटनाएँ घटीं जहाँ उनके पुत्र राम को वनवास में भेज दिया गया, जिससे दशरथ को अत्यधिक दुःख हुआ और अंततः उनकी मृत्यु हो गई।।

१.८ वाक्यांश "मानव जाति की सेवा ईश्वर की सेवा है" से पता चलता है कि दूसरों की मदद और सेवा करके, हम एक दिव्य कर्तव्य या उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं। इसका तात्पर्य यह है कि साथी मनुष्यों के प्रति दया, करुणा और सहायता के कार्यों को उच्च शक्ति की पूजा या भक्ति के रूप में देखा जाता है। अनिवार्य रूप से, यह आध्यात्मिक अभ्यास में निस्वार्थ सेवा और परोपकारिता के महत्व पर जोर देता है।।

१.९ १.९.१ इनसान

१.९.२ वृद्ध।

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विरण कीजिए:

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में आदर्श वीरांगना थीं। वे कभी आपत्तियों से नहीं घबराई, कभी कोई प्रलोभन उन्हें अपने कर्तव्य पालन से विमुख नहीं कर सका। अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह सदैव आत्मविश्वास से भरी रहीं। महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता का नाम मोरोपंत ताम्बे और माता का नाम भागीरथी बाई था। रानी लक्ष्मीबाई को बचपन में मनुबाई नाम से बुलाया जाता था।

रानी लक्ष्मीबाई का विवाह सन् 1850 में गंगाधर राव से हुआ जोकि सन् 1838 से झांसी के राजा थे। जिस समय लक्ष्मीबाई का विवाह उनसे हुआ तब गंगाधर राव पहले से विधुर थे। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को पुत्र पैदा हुआ लेकिन चार माह बाद ही उसका निधन हो गया। रानी लक्ष्मीबाई के पति को इस बात का गहरा सदमा लगा और 21 नवंबर 1853 को उनका निधन हो गया।

राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंगरेजी सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद शुरु हुआ रानी लक्ष्मीबाई के जीवन में संघर्ष, लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तकपुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंगरेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। लेकिन रानी लक्ष्मीबाई झांसी अग्रेजों की होने देना नहीं चाहती थी, उन्होंने विद्रोह कर दिया।

रानी लक्ष्मीबाई का विवाह सन् 1850 में गंगाधर राव से हुआ जोकि सन् 1838 से झांसी के राजा थे। जिस समय लक्ष्मीबाई का विवाह उनसे हुआ तब गंगाधर राव पहले से विधुर थे। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को पुत्र पैदा हुआ लेकिन चार माह बाद ही उसका निधन हो गया। रानी लक्ष्मीबाई के पति को इस बात का गहरा सदमा लगा और 21 नवंबर 1853 को उनका निधन हो गया।

राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंगरेजी सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद शुरु हुआ रानी लक्ष्मीबाई के जीवन में संघर्ष, लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तकपुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंगरेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। लेकिन रानी लक्ष्मीबाई झांसी अग्रेजों की होने देना नहीं चाहती थी, उन्होंने विद्रोह कर दिया।

उत्तर

रानी लक्ष्मी बाई, जिन्हें झाँसी की रानी के नाम से जाना जाता है, का जन्म 19 नवम्बर 1835 में काशी, भारत में हुआ था। रानी लक्ष्मीबाई का विवाह सन् 1850 में गंगाधर राव से हुआ जोकि सन् 1838 से झांसी के राजा थे। झाँसी के महाराजा से शादी के बाद वह झाँसी रियासत की रानी बनीं। एक निडर नेता, उन्होंने भारतीय विद्रोह के दौरान अपार साहस और सैन्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजों के खिलाफ अपनी सेना का नेतृत्व किया। उनके वीरतापूर्ण प्रयासों के बावजूद, अन्त में युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई, लेकिन ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में उनकी विरासत कायम है।

भाग ग

प्रश्न तीन

निम्नलिखित विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

[Source: Pinterest – Pin by Anurag]

३.१ किस उत्पाद का विज्ञापन किया गया है और इस विज्ञापन में किसकी रुचि होगी?

३.२ इस विज्ञापन को बढ़ावा देने के लिए कंपनी किस पद्धति का उपयोग करती है?

३.३ बताएं कि विज्ञापन में इन शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया गया है। " कभी हार मत मानो "

३.४ इस विज्ञापन में संदेश का विश्लेषण करें?

३.५ क्या यह उत्पाद प्रसिद्ध है? प्रमाण देकर अपना उत्तर स्पष्ट करें।

३.६ इस उत्पाद के साथ किस प्रकार का खाना, एक भोजन बनाता है?

३.७ क्या यह एक स्वस्थ उत्पाद है? अपना उत्तर समझाएं।

३.८ कंपनी उपभोक्ता के सामने उत्पाद कैसे पेश करती है?

उत्तर

३.१ उत्पाद कोका-कोला है । यह एक फ़िज़ी शीतल पेय है।।

३.२ कोका-कोला कंपनी अपनी स्थापना का उपयोग उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए करती है। इस कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को गौरवान्वित रूप से स्थापित किया है इसलिए वे विज्ञापन देने के लिए इसके इतिहास का उपयोग करते हैं।।

३.३ कभी हार न मानें, यह कंपनी अपने ग्राहकों को यह प्रेरणा देना चाहती है कि जिंदगी चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो या आपका दिन कितना भी बुरा गुजरा हो, आपको कभी हार नहीं माननी चाहिए। बस एक गिलास कोका-कोला पीएं और आपकी सभी समस्याएं गायब हो जाएंगी।।

३.४ शुरुआत में हर कोई संघर्ष करता है। लेकिन कड़ी मेहनत से हमेशा सफलता मिलती है. यहां तक कि कोका-कोला जैसी कंपनी भी. कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और व्यवसाय शुरू करने के पहले वर्ष में उन्होंने कोल्डड्रिंक की केवल 25 बोतलें बेचीं। आज कंपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाती है और हर कोई इस उत्पाद को पसंद करता है।।

३.५ हाँ, यह उत्पाद बहुत प्रसिद्ध है। कोका-कोला पूरी दुनिया में फैल गया है। लगभग हर देश में आपको हर किसी का पसंदीदा पेय मिल जाएगा। विदेश यात्रा करने वाले लोग अपना परिचित पेय कहीं भी खरीद सकते हैं। आज कोका-कोला कंपनी इतने सारे अलग-अलग स्वाद बनाने में सफल हो गई है।।

३.६ कोका-कोला के साथ सभी प्रकार का भोजन किसी भी भोजन को स्वादिष्ट बनाता है। कोका-कोला का आनंद बिरयानी, बर्गर या यहां तक कि चिप्स के साथ भी लिया जाता है।।

३.७ नहीं, यह एक बहुत ही अस्वास्थ्यकर उत्पाद है जिसका दुनिया भर में कई लोग आनंद लेते हैं। इसमें कई प्रिजर्वेटिव, रंग, फ़िज़ीनेस होते हैं जो शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन फिर भी लोग इसे पीते हैं।।

३.८ कोका-कोला कंपनी अपने उत्पाद को बोतल में पेश करती है। पहले यह कांच की बोतल होती थी, अब ज्यादातर प्लास्टिक की बोतल होती है।।

प्रश्न चार

निम्नलिखित चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

[Source: Pinterest – Pin by Atul]

४.१ चित्र में ये लोग कौन हैं?

४.२ लड़का क्या कर रहा है?

४.३ वह आदमी लड़के से क्यों पूछ रहा है कि वह क्या बेचता है और वह हर दिन सामान क्यों बदलता है?

४.४ लड़के के उत्तर के संदर्भ में चित्र का विश्लेषण करें।

४.५ वृद्ध व्यक्ति के चरित्र का वर्णन कीजिये ।

४.६ लड़के के चरित्र का वर्णन करें ।

उत्तर

४.१ बूढ़ा आदमी एक राजनेता है और लड़का गरीब है, वह जीविकोपार्जन के लिए विभिन्न वस्तुएं बेचता है।।

४.२ लड़का भारत के छोटे झंडे बेच रहा है ।।

४.३ आदमी को उत्सुकता है कि लड़का हर दिन अलग-अलग चीजें क्यों बेचता है। वह शायद सोचता है कि लोग प्रतिदिन एक ही प्रकार की वस्तुएँ बेचते हैं। बूढ़ा आदमी सोच रहा होगा कि वह एक छोटा लड़का है और उसे व्यापार के बारे में ज्यादा समझ नहीं है।।

४.४ लड़का अपने देश के प्रति देशभक्त है। उनका मानना है कि राजनेता अपना देश बेच देते हैं। लड़के को यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि वह जीविकोपार्जन के लिए कुछ भी बेच सकता है, लेकिन वह राजनेता की तरह अपने देश को कभी नहीं बेचेगा।।

४.५ बूढ़ा धोखेबाज है। पैसा कमाने के लिए वह अपना देश बेच सकता है। उसकी सोच का स्तर लड़के से कम है।।

४.६ लड़का अपने देश के प्रति वफादार और गौरवान्वित है। वह गरीब है, लेकिन पैसा कमाने के लिए वह अपना देश कभी नहीं बेचेगा। वह एक अच्छा इंसान है।।

Total: 80 marks

IEB Copyright © 2024